(6)

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा

सत्र 2020-21

भारतीय संगीत पूर्णांक – 100

(खण्ड–अ) शोध प्रविधि – 50 अंक

1. शोध का अर्थ, परिभाषा, स्वरुप एवं महत्व।
   शोध के समानर्थी शब्द।
2. शोध के प्रकार या भेद, शोध की प्रविधियां एवं शोध रुपरेखा (Synopsis)।
3. सामग्री संकलन (दत्त संकलन – Data collection), सामग्री के स्त्रोत और विधियां, सामग्री का वर्गीकरण, सामग्री का परीक्षण एवं संयोजन।
4. शोध पत्र एवं शोध प्रबंध का अर्थ, शोध प्रबंध के अंग, अनुक्रमणिका, प्रस्तावना, अध्याय वर्गीकरण, पादटिप्पणी, पारिभाषिक शब्दानुक्रमणिका, संदर्भ प्रणाली, परिशिष्ट, संदर्भग्रंथ सूची तथा स्वरुप।
5. भारतीय संगीत में शोध के क्षेत्र एवं समस्याऐं।
6. शोध प्रतिवेदन के सामान्य नियम।
7. संगीत में अंतरानुशासन विषय में शोध की सम्भावनाऐं।
8. स्नातकोत्तर संगीत के उपरान्त प्राप्त की जाने वाली उपाधियां एवं पाठ्यक्रम – एम.फील एवं डी. म्यूज।

(खण्ड–ब) संगीत सैद्धांतिक – 50 अंक

1. परिभाषाएं : श्रुति, स्वर, ग्राम, मूर्च्छना, जाति गायन, थाट, राग, रागांग, प्रमाण श्रुति, रस, काकू।
2. श्रुति स्वर स्थापना विधि एवं श्रुति एवं स्वर की तुलना।
3. ग्राम एवं उसके प्रकारों की सम्पूर्ण जानकारी।
4. मूर्च्छना एवं उसके प्रकारों की सम्पूर्ण जानकारी।
5. भारतीय स्वर सप्तक एवं पाश्चात्य स्वर सप्तक का अध्ययन।
6. भरत की सारणा चतुष्टय की सम्पूर्ण जानकारी।
7. व्यंकटमुखी की 72 थाट पद्धति।
8. संगीत रत्नाकर में वर्णित खण्डमेरु नष्टोद्दिष्ट एवं स्वर प्रस्तार विधि।

9. आधुनिक थाट वर्गीकरण। (पं. विष्णुनारायण भातखण्डे)

10. भारतीय संगीत की निम्न गायन शैलियों का अध्ययन – 1. ध्रुपद 2.धमार 3.ख्याल 4.चतुरंग 5.त्रिवट 6.तराना 7.टप्पा 8.ठुमरी 9.दादरा 10.कजरी।

11. उत्तर एवं दक्षिण पद्धति (कर्नाटक पद्धति) की सम्पूर्ण जानकारी।

12. निम्न रागों का विस्तृत शास्त्रीय परिचय ऐतिहासिक पृष्ठभूमि सहित – 1. भैरव 2. तोड़ी 3.यमन 4.भैरवी 5.मारुबिहाग 6.अहिरभैरव 7.बागेश्री 8.रागेश्री 9.बिलासखानी तोड़ी 10.चन्द्रकौंस 11.मालकौंस 12. हंसध्वनी 13.कलावती 14.नन्द 15.जोग 16.आभोगी कानड़ा।

13. ताल एवं लयकारियां (आड़, कुआड़ तथा बिआड़ सहित) – 1. त्रिताल 2.तिलवाड़ा 3. एकताल 4.चौताल 5.झपताल 6.सूलताल 7.रुपक 8.तीव्रा 9.आड़ाचौताल 10.धमार 11. दीपचंदी 12.झूमरा 13.दादरा 14.कहरवा 15.धूमाली।

14. निम्नलिखित संगीतकारों का जीवन परिचय – 1. पं.वि.ना. भातखण्डे 2.पं.वि.दि. पलुस्कर 3.पं.भीमसेन जोशी 4.पं. जसराज 5.उस्ताद अमीर खाँ 6.पं. कुमार गंधर्व 7.विदुषी किशोरी अमोणकर 8. पं. रविशंकर 9.उस्ताद विलायत खाँ।

15. उत्तर भारतीय संगीत के प्रमुख घरानों का अध्ययन – 1. ग्वालियर 2.आगरा 3.जयपुर 4.पटियाला 5.किराना 6.सेनिया 7.मैहर।

16. वैदिक कालीन संगीत, रामायण कालीन संगीत एवं महाभारत कालीन संगीत।

17. निम्नलिखित ग्रंथों का विस्तृत अध्ययन – 1.भरतकृत 'नाट्यशास्त्र'' 2.शारंगदेवकृत 'संगीत रत्नाकर''।

18. मुगल कालिन संगीत (ई.स. 1525 से 1707 ई.स. तक)

19. अष्टछाप संत कवियों के संगीत सम्बंधी विषयों का विस्तृत परिचय।

20. चतुर्विध वाद्य वर्गीकरण का विस्तृत परिचय।